हिन्दी विभाग

हिन्दी दिवस : 14 सितम्बर 2024

पूरे भारत के हिन्दी भाषी क्षेत्रों में दिनांक 14 सितम्बर 2024 को पूरे उत्साह के साथ हिन्दी दिवस मनाया गया। ऐसे में छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों के हिन्दी विभागों में अव्वल दर्जे में गण्य खरसिया का हिन्दी विभाग कैसे पीछे रह सकता था। इस कड़ी में विभागाध्यक्ष डॉ0 आर के टण्डन के दिशा निर्देशन में हिन्दी भाषा परिषद एव छत्तीसगढ़ी भाषा परिषद के छात्रों ने हिन्दी दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप पारम्परिक परिधान में छात्राओं की उपस्थिति वंदनीय थी। विभागाध्यक्ष हिन्दी सहित डॉ0 डायमण्ड साहू, अंजना शास्त्री और कुसुम चौहान ने छात्रों को सम्बोधित कर हिन्दी की उत्पत्ति, विकास, राजभाषा की स्थिति आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ0 टण्डन ने यूरेशिया के भेद भारोपीय से भारती–इरानी, फिर इरानी और दरद से अलग होकर भारतीय आर्य भाषा का भारत में प्रवेश पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संस्कृत से क्रमशः पाली, प्राकृत, अपभ्रंश होते हुए शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी के भेद खड़ी बोली हिन्दी तक की यात्रा को बारिकी से बताया। डॉ0 डायमण्ड साहू ने हिन्दी दिवस के इतिहास, महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत कराए। प्रो0 अंजना शास्त्री ने हिन्दी के उद्भव, विकास और इसकी प्रमुख बालियों के बारे में बताया, साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी जी के गीत ''नया गाता हूँ'' – टूटे हुए सपनों की सुने कौन सिसकी, अन्तर हो चिर व्यथा पलकों पर ठिठकी, हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा, काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूँ, गीत नया गाता हूँ।'' एवं डॉ0 शिवमंगल सिंह सुमन की कविता ''वरदान माँगूँगा नहीं'' की प्रस्तुति दी।

छात्रों में से बुबुन घृतलहरे, आकांक्षा राठौर, श्रद्धा कुर्रे, कौशल दास, जीतू जोशी ने छात्रों को सम्बोधित किया। श्रद्धा कुर्रे, पुष्पेन्द्र राठिया एवं दुर्गेश पटेल ने मंच संचालन किया। अंजली सिदार, कुंती व निशा ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। आकांक्षा राठौर ने शारदे पूजन पर सहयोग किया। हिन्दी परिषद के पदाधिकारी मुकेश राठिया, श्रेया सागर, मनोज बैगा, कौशल दास एवं छत्तीसगढ़ी परिषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों श्रद्धा कुर्रे, जयप्रकाश, तोष कुमारी, आकांक्षा राठौर, सुनिता राठिया, बुबुन घुतलहरे, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आभार प्रदर्शन अंजली ने किया।

एम ए हिन्दी की छात्र परिषदों के पदाधिकारियों ने भी समस्त छात्रों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दी। आयोजक छात्रों के अतिरिक्त दामोदर पटेल, शशिकला महंत, सलीम राठिया, गजबाई भारद्वाज, जीतू जोशी, दुर्गेश पटेल, प्रीति राठिया, उमा साहू, रेनू राठिया, पुष्पा नागवंशी, राहुल दास की सक्रिय उपस्थिति रही।

हिन्दी दिवस
14 सितम्बर 2024
GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978687°
Long 83.112458°
14/09/24 12:35 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978741°
Long 83.11244°
14/09/24 12:30 PM GMT +05:30
Google

पारम्परिक परिधान पहने खरसिया महाविद्यालय में मनाया गया हिन्दी दिवस

दबंग दुनिया • खरसिया

प्रहलाद बंसल

पूरे भारत के हिन्दी भाषी क्षेत्रों में दिनांक 14 सितम्बर 2024 को पूरे उत्साह के साथ हिन्दी दिवस मनाया गया। ऐसे में छतीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों के हिन्दी विभागों में अव्वल दर्जे में गण्य खरसिया का हिन्दी विभाग कैसे पीछे रह सकता था। इस कड़ी में विभागाध्यक्ष डॉ. आर के टण्डन के दिशा निर्देशन में हिन्दी भाषा परिषद एव छतीसगढ़ी भाषा परिषद के छात्रों ने हिन्दी दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप पारम्परिक परिधान में छात्राओं की उपस्थिति वंदनीय थी। विभागाध्यक्ष हिन्दी सहित डॉ. डायमण्ड साहू, अंजना शास्त्री और कुसुम चैहान ने छात्रों को सम्बोधित कर हिन्दी की उत्पति, विकास, राजभाषा की स्थिति आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. टण्डन ने यूरेशिया के भेद भारोपीय से भारती-इरानी, फिर इरानी और दरद से अलग होकर भारतीय आर्य भाषा का भारत में प्रवेश पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संस्कृत से क्रमशः पाली, प्राकृत, अपभ्रंश होते हुए शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी के भेद खड़ी बोली हिन्दी तक की यात्रा को बारिकी से बताया।

छात्रों में से बुबुन घृतलहरे, आकांक्षा राठौर, श्रद्धा कुर्रे, कौशल दास, जीतू जोशी ने छात्रों को सम्बोधित किया। श्रद्धा कुर्रे, पुष्पेन्द्र राठिया एवं दुर्गेश पटेल ने मंच संचालन किया। अंजली सिदार, कुंती व निशा ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। हिन्दी परिषद के पदाधिकारी मुकेश राठिया, श्रेया सागर, मनोज बैगा, कौशल दास एवं छतीसगढ़ी परिषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र सहित सभी कायर्कारिणी सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आभार प्रदर्शन अंजली ने किया।

पारम्परिक परिधान में खरसिया महाविद्यालय में मनाया गया हिन्दी दिवस

खरसिया (असं)। पूरे भारत के हिन्दी भाषी क्षेत्रों में दिनांक 14 सितम्बर 2024 को पूरे उत्साह के साथ हिन्दी दिवस मनाया गया। ऐसे में छतीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों के हिन्दी विभागों में अव्वल दर्जे में गण्य खरसिया का हिन्दी विभाग कैसे पीछे रह सकता था। इस कड़ी में विभागाध्यक्ष डॉ. आर के टण्डन के दिशा निर्देशन में हिन्दी भाषा परिषद एव छतीसगढ़ी भाषा परिषद के छात्रों ने हिन्दी दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप पारम्परिक परिधान में छात्राओं की उपस्थिति वंदनीय थी। विभागाध्यक्ष हिन्दी सहित डॉ. डायमण्ड साहू, अंजना शास्त्री और उन्होंने संस्कृत से क्रमशः पाली, प्राकृत, अपभ्रंश होते हुए शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिन्दी के भेद खड़ी बोली हिन्दी तक की यात्रा को बारिकी से बताया। छात्रों में से बुबुन घृतलहरे, आकांक्षा राठौर, श्रद्धा कुर्रे, कौशल दास, जीतू जोशी ने छात्रों को सम्बोधित किया। श्रद्धा कुर्रे, पुष्पेन्द्र राठिया एवं दुर्गेश पटेल ने मंच संचालन किया। अंजली सिदार, कुंती व निशा ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। हिन्दी परिषद के पदाधिकारी मुकेश राठिया, श्रेया सागर, मनोज बैगा, कौशल दास एवं छतीसगढ़ी परिषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यक्रम की सफ्लता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।